



## J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:[proymcaust@gmail.com](mailto:proymcaust@gmail.com) | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:26.07.2023**

### THE IMPRESSIVE TIMES

# JC Bose University Signs MoU with NCB to Promote Research Activities

Manish Kumar

[info@impressivetimes.com](mailto:info@impressivetimes.com)

**FARIDABAD:** In a significant stride towards advancing research in the field of science and engineering, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, and the esteemed National Council for Cement and Building Materials (NCB), Ballabgarh, have joined hands through a Memorandum of Understanding (MoU). The MoU sets the stage for conducting collaborative research and development activities in Civil Engineering and allied disciplines. The momentous signing of the MoU took place in the presence of Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar. The MoU was signed by Dr. Sunil Kumar Garg, Registrar of the University, and



Dr. L.P. Singh, Director General of NCB. Director (R&D) Prof. Naresh Chauhan, Dean FET Prof. Rajkumar, Dean (Academics) Prof. Ashutosh Dixit, Chairperson (Incharge) of Civil Engineering Dr. Rajni Sagg, and representatives from NCB, Mr. Kapil Kukreja and Mr. Ankur Mittal, along with faculty members from the Civil Engineering Department

were also present on this occasion. This collaborative venture aims to open new avenues for the university students, facilitating internships and training opportunities in the fields of Engineering and Sciences. Additionally, it paves the way for the exchange of valuable laboratory resources, joint seminars, workshops, and conferences

on both national and international platforms, thereby promoting knowledge-sharing and networking among academia and industry experts. Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar expressed his delight over this partnership, emphasizing the need to align it with research-oriented goals. He spoke passionately about the immense potential for growth in the field of civil engineering and its role in tackling global challenges. Prof. Tomar firmly believes that the alliance with NCB will propel JC Bose University towards significant advancements in civil engineering research and allied domains. Furthermore, Prof. Tomar highlighted the potential of securing research grants from esteemed funding agencies through collaborative research projects.



## J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:26.07.2023**

### AAJ SAMAJ

जेसी बोस विश्वविद्यालय और एनसीबी के बीच समझौता

# शोध के उन्नत दोत्रों में मिलकर काम करेंगे जेसी बोस विवि और एनसीबी

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के बीच में अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाये हुए हैं। जेसी बोस विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, बाइप्रोसेस, फार्माचूल्ज और रसायन बीमेट और भवन नियंत्रण सामग्री परिषद् (एनसीबी), बल्लभगढ़ के बीच समझौता किया गया है। यह समझौता मिलिक इंजीनियरिंग और संबद्ध विद्यार्थियों में सहयोगात्मक अनुसंधान और विज्ञान वित्तीयविद्यार्थियों के संचालन को मुख्यात्मक बनायेगा।

समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलसंचिक डॉ. मुरील कुमार गर्व और एनसीबी के मार्गानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह ने कुलपति प्रो. मुरील कुमार तोमर की अंसुलीत में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर निरेक (अगरेडा) प्रो. नरेश चौहान, डॉन एफडी प्रो. गवनकुमार, डॉन (अकादमिक) प्रो. आमुरोद दीक्षित, सिविल इंजीनियरिंग



कुलपति प्रो. मुरील कुमार तोमर की उपस्थिति में समझौते का आदान-प्रदान करते हुए कुलसंचिक डॉ. मुरील कुमार गर्व और एनसीबी के मार्गानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह। **आज समाज**

की विधानावधि (प्रभारी) डॉ. रमनी, मानू और एनसीबी के प्रबोधित डॉ. जयपति कुकरेजा और डॉ. अंकुर मितल, लघा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के संचाल सदस्य भी उपस्थित थे। समझौते का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान के बीच में इटर्नेशन और प्रशिक्षण के अवसरों को मुख्यात्मक बनाना है। इसके अन्तर्यामी विज्ञान के बीच समझौते को उद्घासित करना है।

समाप्ति, संयुक्त मैमानरो, कार्यरत्नाओं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों के माध्यम से आदान-प्रदान को प्रोत्त्वात्तिकरण, जिससे विज्ञा और डॉक्यूमेंटेशन के बीच परस्पर ज्ञान शाझाकरण और नेटवर्किंग को बढ़ावा दिला जाए।

के साथ सम्बद्ध करने की आवश्यकता पर बढ़ दिया। सिविल इंजीनियरिंग के बीच में विज्ञान की अपार संयोगवालओं पर बोलते हुए प्रो. तोमर कहा कि एनसीबी के साथ सहभागिता सिविल इंजीनियरिंग और संबद्ध सेवों में अनुसंधान को प्रेरित करेगी। प्रो. तोमर ने महाविद्यालय एवं एनसीबी के माध्यम से प्रतिष्ठित पंडित एनसीबी से अनुसंधान अनुदान हासिल करने की अपेक्षा भी प्रकल्प डाला।

उन्होंने अधीक्षिक प्राचीनकाल के साथ संयुक्त अनुसंधान एवं विज्ञान और नवाचार परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला, जिनमें पंडित एनसीबी द्वारा साझेदारी में वित्तीयों किया जा सकता है। डॉ. एल.पी. सिंह ने मिलका अवसर का लाभ उठाने की दिशा में काम कर सकती है। एनसीबी के मार्गानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सहयोग की प्रोक्रिशन करते हुए कहा कि इस साझेदारी से विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी की अत्यधिक प्रयोगशालाओं में काम करने का अवसर

मिलेगा। व्यव्हाहारिक अनुभवों से छात्रों को अपने ध्वनिय के कर्मियर के लिए बोशल हासिल करने में मदद मिलेगी। प्रो. मुरील कुमार तोमर और डॉ. एल.पी. सिंह ने दोनों पांचों संस्थानों के बीच भीमिक्तिक और संबद्ध सेवों में अनुसंधान को प्रेरित करेगे। प्रो. तोमर ने महाविद्यालय एवं एनसीबी के माध्यम से प्रतिष्ठित पंडित एनसीबी से अनुसंधान अनुदान हासिल करने की अदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।



## J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:26.07.2023**

## HINDUSTAN

| समझौता | विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) बल्लमगढ़ के बीच हुआ समझौता, छात्रों को मिलेगी सुविधा

# सिविल इंजीनियरिंग में बढ़ावा देगा जेसीबोस विश्वविद्यालय



### अच्छी खबर

कलानीति, चरित्र संवाददाता। सिविल इंजीनियरिंग एवं विज्ञान के क्षेत्र में जेसी बोस विश्वविद्यालय अनुसंधान को बढ़ावा देगा। इसके लिए विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) बल्लमगढ़ के बीच समझौता किया गया है।

यह समझौता विश्वल इंजीनियरिंग और सब्जेक्ट वीमेंट और भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) के बीच मेजलियर को अनुसंधान को लेकर समझौता हुआ। • केंद्र सभा सुनील कुमार नारू और एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह ने भवलपति प्रौ. सुशील कुमार तोमर की कुलपति प्रौ. सुशील कुमार तोमर को उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। समझौता



### छात्रों को अनुसंधान के लिए मिलेंगे

कुलपति प्रौ. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि सिविल इंजीनियरिंग छात्रों को अनुसंधान के लिए आवश्यक सामग्री मिलेंगी। उन्होंने कहा कि एनसीबी के साथ सहभागिता विश्वल इंजीनियरिंग और सब्जेक्ट क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रेरित करेगी। एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सहयोग की ओरकश करते हुए कहा कि इस समझौतारी से विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी की अन्यान्य इंसालाजों में काम करने का अवसर मिलेगा।

छात्रों को करियर के लिए कोशल हासिल करने में मदद मिलेगी।

### दोनों संस्थान मिलकर करेंगे काम

प्रौ. सुशील कुमार तोमर और डॉ. एल.पी. सिंह ने दोनों पड़ोसी संस्थानों के बीच भौगोलिक लाभ को स्वीकार किया, जो दोनों संस्थानों के लिए संसाधनों, ज्ञान और विशेषज्ञता के अद्वान-प्रदान को बढ़ावा देता है। उन्होंने आवृत्तिक प्राप्तिकरण के साथ समझौता अनुसंधान एवं विकास और नवाचार परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला, जिन्हें कांडिंग एजिसियों द्वारा सलाहदारी में वित प्रोतिष्ठित किया जा सकता है। डॉ. एल.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय के छात्रों को एनसीबी में उपलब्ध अल्यासुनिक अनुसंधान सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।



## **NEWS CLIPPING:26.07.2023**

**PIONEER**

शोध के उन्नत क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे जेसी बोस विश्वविद्यालय और एनसीबी

सिविल इंजीनियरिंग  
एवं संबद्ध क्षेत्रों में  
अनुसंधान, विशेषज्ञता  
और संसाधनों का  
कर्तृता आदान-पदान

पार्श्विया समाजांक सेवा । परीक्षापाठ

विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के सेक्टर में अनुसंधान को बढ़ावा देने की विजय में एक महत्वपूर्ण कदम उठाए हुए जैसे कोई विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विविधताओं पर आधारित हो। यहाँ अल्पसंखीय फरीदानादार और गतिशील सीमेंट और खनन विभिन्न व्यापारी विधि (एक्सप्रेस) बल्लभपाल के चौथे समझौते किया गया है। वह समझौते विविध इंजीनियरिंग और संबद्ध विषयों में साझेकालक अनुसंधान और विकास योजनाओंविधि के समर्पण को गुरुत्वादार बनाएगा। साथसे यह विविधतावाले के कुलांशील दृ-



विवाह की अपनी संस्थानों पर बोलते हुए, और, लैंग ने कह कि इन्होंने के साथ संबधित विवाह इन्हींविवाह और संबद्ध भेंटों व मनुष्यान् को दीजा करते हैं। और, लैंग ने यहाँविवाहक अनुसृथय चरित्रविवाहक से प्रतिक्रिया करता है इन्होंने से अनुसृथय अनुषुद्ध हस्तिकारण की साथ पर भी प्रकाश दिया। उन्होंने कहा कि अनुसृथय अनुसृथय तक यहाँवाहों को आगे बढ़ने में जिया पोषण की महान्मूल्य भूमिका होती है। इसलिए, दोनों संबद्ध विवाह अवधारी का साथ उठने की इच्छा में काम कर सकती है।

मेरे जाती को अपने भविष्य के जीवन के लिए कौशल ताकिया करने में विश्वासी हैं।

जैसे सुनिल कुमार लैंग और वह एकीन विवाह के दोनों चाहाँ संबद्धतान् के बीच भौतिक ताप वह विवाह किया, जो दोनों संबद्धतान् के लिए संतुष्ट होना चाहिए और विवाहकारी के लड़ान-प्रदान को बढ़ावा देता है। उन्होंने योगिताकार ज्ञानिकार के साथ सुनिल अनुसृथय एवं विवाह और लैंग विवाहवाहों के माध्यम पर प्रकाश दिया, जिन्हें फॉरेंट-परिवर्तीयों द्वारा संकेतियों व विवाह योग्यता का सकारा है।

दूसरी एकीन विवाह ने

एकालीपी के गहानादेशक वृंदा, एकीनी विह के विवरणात्मक विवरणों के सिरे, गहानी की पैलेक्स करते हुए कहा कि इस गहानादेश के विवरणात्मक के जड़ों की एकमात्रीयी की असमियालीकाने में काम करते का अवसर मिलेग। आवाहानिक अनुसन्धान विवरणात्मक के उपर्यांतों को एकालीपी दें उत्तराखण्ड असमियालीका का लात उत्तर के सिरे असमियालीका किया। उन्होंने कहा कि वह उपर्यांतों को उत्तराखण्ड करने और अधिकारियों द्वारा उत्तराखण्ड करने के समान विवरण में बोगदान करने के सिरे, उपर्यांतों का बताएगा।



**NEWS CLIPPING:26.07.2023**

## PUNJAB KESARI

### शोध के उन्नत क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और एनसीबी

फरीदाबाद, 25 जुलाई (महावीर)। विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कानूनी हड्डी दी गई। यस विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, नई एम सीट, कॉलेजमार्क और गण्डीजी सोसाइटी और मनन किमीन समय परिपद (एससीबी), कलापगढ़ के विद्युत संचयन क्षेत्र में काम किया गया है। यह समझौता विशिष्ट इंजीनियरिंग और संबद्ध विषयों में सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास योजनाओं के संचालन को सुविधाजनक बनायेगा।

समझौते पर विश्वविद्यालय के कुलदिव्य डॉ. भूवेंद्र कुमार गर्ग और

एनसीबी के महाविद्यालय का डॉ. गोवर्धन शिंदे ने कुलपति श्री. सुशील कुमार लोगों की उपरान्ति में इन्वाइट किए। इन अवसरों पर विदेशी (अस्ट्रेलिया) डॉ. नीरा चौहान, द्वितीय एसटीटी डॉ. रामकृष्ण डॉन (अस्ट्रेलिया) डॉ. अशुराज दीक्षित, विशिष्ट इंजीनियरिंग की विद्यालयपाल (प्राक्ति) डॉ. रमेश साह और एससीबी के प्राचीनिक वर्षीय कुकरण और अंकुर विज्ञान तथा विशिष्ट इंजीनियरिंग विभाग के संबद्ध सदस्य भी उपरान्ति थे।

समझौते का उद्देश्य विश्वविद्यालय के हाथों के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान के क्षेत्र में इंटीग्रेशन और गण्डीजी सोसाइटी और नेटवर्किंग को बढ़ावा देना है।



कुलपति श्री. सुशील कुमार लोग भी उपरान्ति में सम्मिलित का आदान-प्रदान करते हुए।

मनाना है: उपरोक्त अवसर, यह होने को ग्रैम्पिंग के लिए विश्वविद्यालय संस्थानों के बीच प्रयोगात्मक अनुसंधान एवं योग्यताकान्तर के माध्यम से प्रतिविधि के लिए एजेंसियों में अनुसंधान अनुदान वाहिना करने की शक्ति पर प्रकाश डालता।

को महाविद्युतीय प्रयोगी होती है। इनमें, दोनों संस्थान विद्यार अवसरों का तात्पुर उठाने की दिशा में काम कर सकती है। एनसीबी के महाविद्यालय द्वारा दिए गए विशिष्ट इंजीनियरिंग की विद्यालयों के लिए सम्बोधन की प्राप्ति करते हुए काम कि इस मानदंडी से विश्वविद्यालय के हाथों की एससीबी की अनुसंधान प्रयोगात्मकता में काम करने का अवसर प्राप्त हो। डॉ. सुशील कुमार लोग और डॉ. एम. शिंदे ने दोनों एससीबी संस्थानों के बीच विशेषज्ञता लाभ की स्वीकार दिया, जो दोनों संस्थानों के लिए संभावना है।

अन्यथा अनुसंधान तथा नवाचारों को आगे बढ़ाने में वित्तीय संधरण की महत्वपूर्ण सुविधा होती है। इनमें, दोनों संस्थान विद्यार अवसरों का तात्पुर उठाने की दिशा में काम कर सकती है। एनसीबी के महाविद्यालय द्वारा दिए गए विशिष्ट इंजीनियरिंग की विद्यालयों के लिए सम्बोधन की प्राप्ति करते हुए काम कि इस मानदंडी से विश्वविद्यालय के हाथों की एससीबी की अनुसंधान प्रयोगात्मकता में काम करने का अवसर प्राप्त हो। डॉ. सुशील कुमार लोग और डॉ. एम. शिंदे ने दोनों एससीबी संस्थानों के बीच विशेषज्ञता लाभ की स्वीकार दिया, जो दोनों संस्थानों के लिए संभावना है।



## J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009  
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:[proymcaust@gmail.com](mailto:proymcaust@gmail.com) | web: [www.jcboseust.ac.in](http://www.jcboseust.ac.in)



**NEWS CLIPPING:26.07.2023**

## NAV BHARAT TIMES

# यूनिवर्सिटी ने किया MOU

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय सीमेंट व भवन निर्माण सामग्री परिषद (NCB) बल्लभगढ़ के बीच MOU साइन किया। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग व NCB के महानिदेशक डॉ. एलपी सिंह ने एमओयू पर साइन किए। समझौते का उद्देश्य यूनिवर्सिटी छात्रों के लिए इंजीनियरिंग व विज्ञान के क्षेत्र में इंटर्नशिप के साथ प्रशिक्षण के अवसरों को सुविधाजनक बनाना है। इसके अलावा, यह दोनों संस्थानों के बीच प्रयोगशाला संसाधनों, संयुक्त सेमिनार, कार्यशालाओं और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलनों के माध्यम से आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करेगा।